कौशल किए।

अध्यापकों की तैनाती की जाएगी।

15 दिसंबर से आंदोलन चलाया जा रहा है।

जा रही है।

राज्य बनेगा सूचना तकनीक का नॉलेज कॉरिडोर

संवाद सहयोगी, द्वाराहाट : उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) की कार्यशाला में तकनीकी आधारित शिक्षा से विद्यार्थियों को रूबरू कराया गया। विषय विशेषज्ञों ने एंड्रॉइड टेक्नोलॉजी की आधुनिक समाज व तालीम में उपयोगिता गिनाईं। वहीं प्रदेश में सूचना एवं संवाद तकनीक (एसआईटी) आधारित नॉलेज कॉरिडोर के साथ ही डिजिटल स्वयंसेवक बनाने की दिशा में यूसर्क के बढ़ते कदमों को मील का पत्थर बताया गया।

जीआइसी बग्वालीपोखर में यूसर्क के तत्वावधान में बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड साइंसेज (भीमताल), स्पोकन ट्यूटोरियल आइआइटी मुंबई व कंप्यूटर सोसायटी ऑफ इंडिया के सहयोग से 'तकनीकी आधारित विज्ञान शिक्षा' विषयक एक दिनी कार्यशाला हुई। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता समन्वयक यूसर्क एवं प्राध्यापक बिड़ला संस्थान डॉ. आशुतोष भट्ट ने तकनीकी आधारित तालीम मसलन एनपीटीएल, रेडियो, आईआर, मूक्स, रेडियो टीवी व एडुसेट आदि के बारे में बताया। उन्होंने कहा आधुनिक विज्ञान शिक्षा के लिए आइआइटी मुंबई का स्पोकन ट्यूटोरियल सर्वाधिक उपयुक्त है। इसके व्याख्यान बेहद सहज व सभी भाषाओं में रहते हैं। साथ ही एंड्रोइड टेक्नोलॉजी की मौजूदा दौर में उपयोगिता गिनाई।

यूसर्क की कार्यशाला में छात्रों को प्रमाणपत्र बांटते गुरुजन। जागरण

- विषय विशेषज्ञों ने सूबे में यूसर्क की पहल को बताया मील का पत्थर
- मौजूदा दौर में एंड्रॉइड टेक्नोलॉजी की पुरजोर वकालत

तकनीकी तौर पर दक्ष बनें कर्णधार

विधायक मदन बिष्टे ने अपने संदेश में तकनीक आधारित शिक्षा के क्षेत्र में यूसर्क व सीएम के प्रयासों को सराहनीय बताया। साथ ही छात्र छात्राओं से तकनीकी तौर पर दक्ष होने का आह्वान भी किया। उन्होंने अपने स्तर से भी इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाने का भरोसा दिलाया।

छात्रों को बांटे प्रमाणपत्र

प्रधानाचार्य जीआईसी पीसी चौधरी ने कार्यशाला को छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक बताया। 11वीं व 12वीं के विद्यार्थियों ने कंप्यूटर व तकनीकी शिक्षा सवाल पूछ समाधान ढूंढा। इन सभी को कार्यशाला में हिस्सा लेने पर प्रमाणपत्र भी दिए गए। साथ ही कार्यशाला का लाभ उठाने का आह्वान किया।

कार्यशाला में निदेशक यूसर्क प्रो. दुर्गेश पंत के प्रदेश में आईसीटी आधारित नॉलेज कॉरिडोर व डिजिटल स्वयंसेवक बनाने की दिशा में शुरू की गई पहल को सराहनीय बताते हुए कहा सफलता जरूर मिलेगी इसकी रूपरेखा यूसर्क के वैज्ञानिक डॉ. भवतोष शर्मा, डॉ. ओपी नौटियाल व डॉ. सुंदरियाल तैयार कर रहे। बिड़ला के अभय शर्मा ने कंप्यूटर आधारित रोजगारपरक शिक्षा की उपयोगिता व संस्थान के योगदान की जानकारी दी। संचालन प्रवक्ता अजय जोशी ने किया।

अमर उजाला युवा कुमाऊं

तकनीकी शिक्षा वक्त की जरूरत

जीआईसी बगवालीपोखर में हुई विज्ञान शिक्षण कार्यशाला

अमर उजाला ब्यूरो

रानीखेत (अल्मोड़ा)। जीआईसी बगवालीपोखर में यूसर्क कार्यशाला का आयोजन हुआ। विशेषज्ञों ने तकनीकी विज्ञान के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। कहा कि तकनीकी शिक्षा वर्तमान समाज की जरूरत है। इसके प्रचार प्रसार के लिए युवाओं को जागरूक करना होगा।

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा अनुसंधान केंद्र ,बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड साइंसेज भीमताल, स्पोकन ट्यूटोरियल आईआईटी मुंबई और कंप्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में डा. आशुतोष भट्ट ने तकनीकी आधारित शिक्षा के विभिन्न तरीकों जैसे स्पोकनटयूटोरियल,एनपीटीएल, रेडियो आदि के बारे में जानकारियां दीं। विद्यालय के भौतिक विज्ञान प्रवक्ता और कंप्यूटर शिक्षा से जुड़े अजय कुमार जोशी ने साइबर सुरक्षा सहित कंप्यूटर से जुड़े तथ्य बताए। यूसर्क के निदेशक दुर्गेश पंत द्वारा कंप्यूटर क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया गया। डा. अभय शर्मा ने कंप्यूटर शिक्षण संबंधी तकनीकों की जानकारियां दीं। इससे पूर्व विद्यालय के प्रधानाचार्य पीसी चौधरी और यूसर्क के समन्वयक डा. आशुतोष भट्ट ने दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यशाला में गोपाल सिंह, डा. पूरन चंद्र, रमेश चंद्र त्रिपाठी, गुलजार अहमद, ललित जोशी, हेमंत नेगी, शरद शर्मा ,राम सिंह सहित तमाम छात्र-छात्राएं मौजूद थे। संचालन विज्ञान प्रवक्ता अजय जोशी ने किया।

यूसर्क कार्यशाला को संबोधित करते प्रवक्ता अजय जोशी।